

साहित्य सिद्धांत

साहित्य – किसी भाषा के लिखित रूप को साहित्य कहा जाता है और जब साहित्य की प्रकृति का क्रमबद्ध अध्ययन एवं साहित्य का विश्लेषण किया जाता है तो वह साहित्य सिद्धांत कहलाता है।

काव्य – (कविता या पद्य) – साहित्य की वह विद्या जिसमें किसी कहानी या मनोभाव को कलात्मक रूप से किसी भाषा के द्वारा अभिव्यक्त करना ही काव्य कहलाता है।

1. **काव्य—लक्षण**— काव्य—लक्षण का वास्तविक विकास आ० भामह से माना जाता है।

उनका मानना है कि—

“शब्दार्थों सहितौ काव्यम् ॥”

अर्थात् शब्द और अर्थ का सहभाव ही काव्य है। उनका मानना है कि शब्द और अर्थ परस्पर सहित भाव या प्रतिस्पर्धा करते हुए सामने आते हैं वहाँ शब्दार्थ सन्निधि में काव्यत्व होता है।

↳ संस्कृत के आचार्यों ने काव्य—लक्षण को तीन आधारों पर वर्गीकृत किए हैं—

- i) शब्द और अर्थ के आधार पर
- ii) शब्द के आधार पर
- iii) रस और ध्वनि के आधार

(1) **शब्द और अर्थ के आधार पर काव्य लक्षण को मानने वाले आचार्य—**

आ० भामह, रुद्रट, वामन, कुन्तक, मम्ट, क्षेमेन्द्र, आनन्दवर्धन आदि।

(2) **शब्द के आधार पर—** आ० दण्डी, जयदेव, जगन्नाथ।

(3) **रस और ध्वनि के आधार पर—**

आ० विश्वनाथ— वाक्यं रसात्मक काव्यम्

भोजराज

↳ मध्यकालीन हिन्दी साहित्यकारों द्वारा दिया गया काव्य—लक्षण—

- 1) केशवदास का मानना है कि – जदपि सुजाती सुलच्छनी सुबरन सरस सुवृत्त ।
भूषन बिनु न बिराजई कविता बनिता मित ॥
- 2) चिन्तमणि का मानना है कि— सगुन अलंकार सहित दोष रहित जो होई।
शब्द अर्थ ताकौ कवित कहत बिबृथ सब कोई ॥

➤ कुलपति मिश्र, भिखारीदास, सोमनाथ आदि ।

↳ आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों द्वारा दिया गया काव्य लक्षण—

1. **आ० महावीर प्रसाद द्विवेदी**— कविता प्रभावशाली, रचना है जो पाठक या श्रोता के मन पर आनंददायी प्रभाव डालती है ।
2. **डॉ० नागेन्द्र**— आत्मभिव्यक्ति ही वह मूल तत्व है जिसके कारण कोई व्यक्ति साहित्यकार और उसकी कृति साहित्य है ।
- 3- **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**- कविता विमल हृदय का उच्छवास है ।'
- 4- **महादेवी वर्मा**- 'कविता कवि-विशेष की भावनाओं का चित्रण है
- 5- **सुमित्रानन्दन पन्त**- 'कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है ।'
- 6- **श्यामसुन्दर दास**- 'काव्य वह है जो हृदय में अलौकिक आनंद व चमत्कार की सृष्टि करे ।'
- 7- **रामचन्द्र शुक्ल**- 'जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है उसी प्रकार । हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है । हृदय की मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द-विधान करती आई है, उसे ! कविता कहते हैं । '

➤ पाश्चात्य सहित्यकरों के द्वारा दिया गया काव्य लक्षण—

- 1— **झाइडन**— कविता सुस्पष्ट संगीत है ।
- 2—**कॉलरिज**— सर्वोत्तम शब्द अपने सर्वोत्तम क्रम में कविता है ।
- 3—**वर्ड्सर्वर्थ**— कविता प्रबल अनुभूतियों का सहज उद्गेक है जिसका स्त्रोत शांति के समय स्मृति मनोवेगों से फूटता है ।